सत्यमेव जयते
भारत सरकार

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

Accredited with Grade A+ NAAC 4th Cycle

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पदाधिकारियों
के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ४९वीं तिमाही बैठक

एवं

राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम

दिनांक - २० मई २०२५

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं उच्चस्तरीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा राजभाषा निरीक्षण किया जाता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय में संघ की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की तीन सदस्यीय निरीक्षण समिति द्वारा दिनांक 20 मई, 2025 (मंगलवार) को विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उप निदेशक (राजभाषा) श्री अजय कुमार झा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी सुश्री पूनम विमल एवं कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी सुश्री सोनाली उपस्थित रहे।

समिति के निरीक्षण कार्यक्रम का ब्यौरा निम्नानुसार है :–

(क) राजभाषा प्रकोष्ठ के साथ बैठक एवं विचार–विमर्श :

निरीक्षण समिति ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा, हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक के साथ बैठक कर निरीक्षण प्रश्नवावली एवं विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान राजभाषा अधिकारी ने दस्तावेजी प्रमाणों के साथ विश्वविद्यालय में राजभाषा की प्रगामी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने निरीक्षणकर्ता को अवगत कराया कि माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं प्रोत्सााहन से विश्वविद्यालय में राजभाषा हिन्दी का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। समिति ने राजभाषा प्रकोष्ठ के साथ निरीक्षण प्रश्नावली, राजभाषा प्रगति से संबंधित

आंकड़ों एवं अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण करते हुए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा, हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए श्री अजय कुमार झा सहित समिति ने राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए।

(ख) विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों/विभागो का भौतिक निरीक्षण :

निरीक्षण समिति ने विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति के निरीक्षण हेतु विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न अनुभागों एवं कार्यालयों का भ्रमण कर राजभाषा कार्यान्वयन की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है —:

(i) जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय :

राजभाषा प्रकोष्ठ के निरीक्षण के उपरांत निरीक्षण समिति ने विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय 'जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय' का भ्रमण किया। पुस्तकालय के भ्रमण के दौरान श्री अजय कुमार झा ने पुस्तकालय भवन में प्रदर्शित सामग्री का अवलोकन किया। पुस्तकालय की कार्यप्रणाली को समझते हुए विभिन्न विषयों के कैटेलॉग, पुस्तक प्रखंडों तथा हिन्दी में उपलब्ध पुस्तकों का अवलोकन किया। समिति ने विभिन्न तकनीकी विषयों सहित हिन्दी में उपलब्ध पुस्तकों की व्यवस्था अलग तल पर किए जाने की भी सराहना की। निरीक्षण के दौरान राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि यह पुस्तकालय मध्यप्रदेश का सबसे वृहत् पुस्तकालय है जिसमें लाखों की संख्या में उच्चकोटि की पुस्तकें उपलब्ध हैं। निरीक्षण के समय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनुराग श्रीवास्तव एवं सूचना विज्ञानी श्री दयानंदप्पा कोरी सहित पुस्तकालय के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

(ii) शारीरिक शिक्षा विभाग ::

निरीक्षण के क्रम में निरीक्षण समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित अब्दुल गनी खान स्टेडियम

में संचालित शारीरिक शिक्षा विभाग का दौरा किया। समिति ने विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध सुविधाओं जैसे कि जिम, डॉर्मेट्री, कोचिंग एवं फिजियोथैरेपी सुविधा इत्यादि का जायजा लिया। विभाग के निदेशक डॉ. विवेक साठे ने समिति को बताया कि विभाग द्वारा न केवल विद्यार्थियों बल्कि विश्वविद्यालय के अन्य सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों हेतु भी खेल सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। समिति ने विभागाध्यक्ष को प्रदर्शन सामग्री को राजभाषा नियमों के अनुरूप द्विभाषी में कराने का सुझाव दिया। इस अवसर पर राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के संस्थापक के जन्मोत्सव पर विभाग द्वारा विभिन्न रोचक खेल प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं नगर के गणमान्य नागरिक भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

(iii) भारतीय भाषा प्रकोष्ठ :

इसके उपरांत निरीक्षणकर्ता द्वारा कौटिल्य भवन स्थित 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' का दौरा किया गया। मंत्रालय के निर्देशानुसार गठित इस प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. देवाशीष बोस ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 के आलोक में विश्वविद्यालय में बहुभाषिकता को बढ़ावा देने तथा भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तक निर्माण के संबंध में किये जा रहे प्रयासों पर केन्द्रित प्रस्तुतिकरण दिया तथा विश्वविद्यालय में उक्त कार्यों की प्रगति पर केन्द्रित लघुचित्र भी प्रदर्शित किया। समिति ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्रो. बोस ने अवगत कराया के विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा भारतीय भाषाओं में लिखित 12 पुस्तकों का विमोचन राष्ट्रीय शिक्षा समागम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से किया गया। विश्वविद्यालय की यशस्वी कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में पुस्तक लेखन का कार्य अनवरत जारी है वर्तमान में भी लगभग 06 भाषाओं में पुस्तकें तैयार हैं तथा शेष पर कार्य प्रगति में है। निरीक्षण के दौरान राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के अंतर्गत संविधान की अष्टम् अनुसूची में दर्ज 22 भाषाओं में से 21 भाषाओं में पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं भाषा संवर्धन का कार्य प्रारम्भ हो गया है।

(iv) स्थापना एवं अवकाश अनुभाग :

निरीक्षण की अगली कड़ी में समिति ने प्रशासनिक भवन स्थित स्थापना एवं अवकाश अनुभाग को भ्रमण किया। समिति ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा–पुस्तिकाओं में दर्ज प्रविष्टियों, विभिन्न पंजियों, अवकाश से संबंधित पंजियों एवं फाइलों पर की जाने वाली टिप्पणियों तथा रबर मुहरों इत्यादि का अवलोकन किया तथा महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। समिति ने अनुभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया कि नियमानुसार पंजियों के शीर्षक तथा अन्य प्रदर्शन सामग्री को द्विभाषी किया जाना आवश्यक है।

राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा अधिकाधिक कार्य हिन्दी में ही किया जाता है। निरीक्षण के दौरान राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक सहित स्थापना अनुभाग के सहायक कुलसचिव श्री आशीष कुमार तिवारी एवं श्रीमती ममता त्रिपाठी सहित स्थापना एवं अवकाश शाखा के कर्मचारीगण श्री अजय सेवते, श्री रघुराज सिंह ठाकुर, श्री अभिनव अग्निहोत्री, श्री प्रभांशु, श्री जितेन्द्र सैनी एवं श्री प्रशांत कुमार आदि उपस्थित रहे।

(v) गौर संग्रहालय :

भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के निरीक्षण के उपरांत समिति ने वैली कैम्पस स्थित गौर संग्रहालय का भ्रमण किया। समिति ने संग्रहालय में मध्यप्रदेश की आदिम जनजातियों से संबंधित चित्रों, विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों से संबंधित चित्रों तथा विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर के जीवन से संबंधित सामग्रियों का अवलोकन किया। राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने गौर संग्रहालय की विशेषता बताते हुए कहा कि यह संग्रहालय विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉक्टर सर हरीसिंह गौर से जुड़ी विरासत को संजोने के लिए माननीया कुलपति महोदया की अभिनव संकल्पना है जिसमें डॉ. गौर के व्यक्तिगत पुस्तकालय एवं उनके द्वारा

रचित साहित्य, उनके जीवनकाल के विभिन्न चित्रों आदि को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। श्री अजय कुमार झा एवं समिति के अन्य सदस्यों ने डॉ. गौर की अमूल्य धरोहर को संजोने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

(ग) राजभाषा प्रदर्शनी ::

विश्वविद्यालय के राजभाषा निरीक्षण के दौरान राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलसचिव कार्यालय परिसर में 'राजभाषा प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। उक्त प्रदर्शनी का शुभारम्भ माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, निरीक्षण समिति के सम्माननीय सदस्यगण श्री अजय कुमार झा, सुश्री पूनम विमल एवं सुश्री सोनाली द्वारा किया गया। राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की संकल्पना, प्रेरणा तथा प्रोत्साहन से राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा लगायी गयी इस भव्य राजभाषा प्रदर्शनी में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित दस्तावेज, राजभाषा के प्रगामी प्रयोग से जुड़े प्रतिवेदन, राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा समय–समय पर आयोजित गतिविधियों के साक्ष्य, कार्यशालाओं एवं हिन्दी पखवाड़ा प्रतिवेदन, जनसंपर्क कार्यालय द्वारा तैयार की गईं विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्टें, विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा, स्मारिकाएं तथा विभिन्न विभागों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ आदि को स्थान दिया गया है। उक्त प्रदर्शनी में डिजिटल माध्यम से विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की गयी।

माननीया कुलपति महोदया ने राजभाषा प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि राजभाषा प्रकोष्ठ की गतिविधियों पर केन्द्रित राजभाषा प्रदर्शनी को स्थायी रूप से लगाने हेतु स्थान उपलब्ध कराया जायेगा ताकि विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण राजभाषा में कार्य करने की प्रेरणा ले सकें। राजभाषा प्रदर्शनी को दर्शकों द्वारा भी खूब सराहा गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्ताधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक, संकाय गतिविधियाँ, निदेशक, अकादमिक गतिविधियाँ, अधिष्ठाता, छात्र गतिविधियाँ, भाषा अध्ययनशाला की अधिष्ठाता, हिन्दी विभाग के अध्यक्ष सहित विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

(घ) विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 49वीं तिमाही बैठक :

निरीक्षण समिति के सदस्यों के विशिष्ट आतिथ्य में माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 49वीं तिमाही बैठक का आयोजन गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में किया गया। बैठक का प्रारंभ विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तदुपरांत समिति के सदस्य–सचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने समिति के माननीय अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों तथा अन्य गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया।

समिति के समक्ष विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) श्री संतोष सोहगौरा ने पीपीटी के माध्यम से विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न आयामों तथा इस दिशा में किए जा रहे नवाचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। समिति के समक्ष विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए श्री सोहगौर ने बताया कि विश्वविद्यालय राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। इस दिशा में राजभाषा कार्यान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा तथा विचार–विमर्श हेतु सुदृढ़ निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है। कार्मिकों को हिन्दी में कामकाज करने को प्रेरित करने के लिए प्रशिक्षण, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति महोदया को सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नराकास, सागर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बैठक के सभी सदस्यों एवं विश्वविद्यालय परिवार की ओर से माननीया कुलपति महोदया के अभिनंदन का प्रस्ताव भी पारित किया गया। माननीया कुलपति महोदया ने समिति को अवगत कराया कि नराकास, सागर का सचिवालय भी विश्वविद्यालय में स्थापित किया गया है तथा सदस्य–सचिव के रूप में विश्वविद्यालय के प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा को नामित किया गया है। सदन ने करतल ध्वनि से सदस्य–सचिव श्री संतोष सोहगौरा को बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

‘राजभाषा पोस्टर’ का विमोचन : बैठक के दौरान माननीया कुलपति महोदया एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रकोष्ठ की उपलब्धियों एवं उत्तरदायित्वों पर केन्द्रित बहुरंगी ‘राजभाषा पोस्टर’ का विमोचन किया गया। उक्त पोस्टर में राजभाषा नीतियों एवं विश्वविद्यालय में उसके सफल कार्यान्वयन हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं का भी उल्लेख किया गया। माननीय कुलपति महोदया ने राजभाषा पोस्टर के कलेवर की प्रशंसा करते हुए संपादक श्री संतोष सोहगौरा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के अन्य कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विशिष्ट अतिथि **श्री अजय कुमार झा** ने समिति को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी के विकास के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति ही नहीं बल्कि अपने सामर्थ्य से बढ़कर प्रयास किए जाने चाहिए। माननीया कुलपति महोदया के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु माननीया कुलपति महोदया एवं राजभाषा प्रकोष्ठ साधुवाद का पात्र है। राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देने के लिए श्री झा ने राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारियों की भी भूरि–भूरि प्रशंसा की। विश्वविद्यालय की वेबसाइट द्विभाषी होने तथा राजभाषा प्रकोष्ठ को महत्त्वपूर्ण स्थान उपलब्ध कराने पर विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रति समर्पण एवं संवेदनशीलता को देखते हुए श्री झा ने सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय में ई–गवर्नेंस मॉडल ‘समर्थ पोर्टल’ के सफल क्रियान्वयन तथा उसमें हिन्दी में प्रविष्टि दर्ज की सुविधा उपलब्ध होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विश्वविद्यालय की **माननीया कुलपति प्रो. .नीलिमा गुप्ता** ने अपने **अध्यक्षीय उद्बोधन** में बताया कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि भारत के संविधान की अष्टम् अनुसूची में दर्ज समस्त भारतीय भाषाओं का विकास करना हमारी प्राथमिकता है। भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हों तथा हिन्दी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो हम सब को मिलकर इस दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने ‘राजभाषा पोस्टर’ एवं विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की बेहतर स्थिति के लिए प्रभारी राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने विश्वास

जताया कि उनके समन्वयन में राजभाषा प्रकोष्ठ निरंतर उत्कृष्टता को प्राप्त करने में सफल होगा।

बैठक में माननीय अध्यक्ष महोदय, विशिष्ट अतिथियों एवं गणमान्य सदस्यों का आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया। बैठक में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. चंदा बैन, प्रो. वर्षा शर्मा, प्रो. दिनेश कुमार नेमा, प्रो. नेत्रपाल सिंह, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. श्वेता यादव, प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज, डॉ. विवेक बी साठे, डॉ. अभिषेक बंसल, डॉ. आर.टी. बेद्रे, डॉ. मोहन टी.ए., डॉ. सुरेन्द्र पी. गादेवार, श्री सतीश कुमार, श्री राजकुमार पाल, श्री दीपक कुमार शाक्य, डॉ. किरण संज्योत माहेश्वरी, श्रीमती ए. लक्ष्मी, श्री आंजनेय शुक्ला, श्री रूपेन्द्र कुमार चौरसिया, श्री सचिन सिंह गौतम, श्री राहुल गिरी गोस्वामी, श्री ब्रजभूषण सिंह, श्री देवेन्द्र विश्वकर्मा, डॉ. सुमन पटेल, श्रीमती ममता त्रिपाठी, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।

इस प्रकार शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक (राजभाषा) श्री अजय कुमार झा के नेतृत्व में राजभाषा निरीक्षण समिति द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। निरीक्षण कार्यक्रम का समन्वयन संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) श्री संतोष सोहगौरा द्वारा किया गया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं उच्च श्रेणी लिपिक श्री विनोद रजक का रहा।

×××

“हिन्दी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।”

■ महर्षि स्वामी दयानन्द

फोटो गैलरी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित
राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ४९वीं तिमाही बैठक
एवं राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम
दिनांक - २० मई २०२५
कार्यक्रम
समय - अपराह्न १२.३० बजे
- स्थान -
गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन
विशेष आकर्षण
राजभाषा प्रदर्शनी
स्थान - कुलसचिव कार्यालय
अध्यक्षता
प्रो. नीलिमा गुप्ता
माननीया कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
विशिष्ट अतिथि
श्री अजय कुमार झा
उप निदेशक (राजभाषा)
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
विशिष्ट अतिथि
सुश्री पूनम विमल
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
विशिष्ट अतिथि
सुश्री सोनाली
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
सदस्य सचिव
श्री संतोष सोहगौरा
संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.)
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

राजभाषा प्रदर्शनी
हार्दिक अभिनंदन
सुस्वागतम्
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

प्रकाशन

राजभाषा प्रदर्शनी

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

भारतीय भाषा प्रकोष्ठ
डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हमारा यह निरंतर प्रयास रहना चाहिए कि हिन्दी भाषा समृद्ध कैसे बने। कार्यशालाओं के द्वारा भाषाशास्त्री विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्द हिन्दी में जोड़कर इसे समृद्ध बनाएँ।
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
भारत विभिन्न भाषाओं का देश है और हर भाषा का अपना महत्व है परन्तु पूरे देश की एक भाषा होना अत्यंत आवश्यक है जो विश्व में भारत की पहचान बने। आज देश को एकता की डोर में बांधने काम अगर कोई एक भाषा कर सकती है तो वो सर्वाधिक बोली जाने वाली हिन्दी भाषा ही है।
श्री अमित शाह
माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार
जिस प्रकार गंगा हिमालय की गोद से निकलकर संपूर्ण मैदानी भाग के करोड़ों कंठों की प्यास बुझाते हुए गंगासागर के जल में मिश्रित होकर संपूर्ण विश्व के जल से मिल जाती है उसी प्रकार हिंदी वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश या अवहट् की यात्रा करते हुए भारत भूमि के करोड़ों लोगो के हृदय में खड़ी बोली के रूप में सृजित होती है।
श्री धर्मेन्द्र प्रधान
माननीय शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
हिंदी एक नदी की तरह है जो विविधताओ को अपने में समाहित कर, शब्दों की सरलता और भावों की गहराईयों को जीवित रखती है।
प्रो. नीलिमा गुप्ता
माननीया कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर (म.प्र.)
प्रमुख कार्य एवं उत्तरदायित्व
महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ
राजभाषा प्रकोष्ठ, प्रशासनिक भवन, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
ई-मेल : hindicell2015@gmail.com, rajbhasha@dhsgsu.edu.in, दूरभाषः (07582) 297118

प्रेरणा

'इसमें कोई दो राय नही है कि हिन्दी एक समृद्ध भाषा है और भारत की राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता की कड़ी है। भारत के कोने-कोने में इसे समझने और बोलने वाले हैं, चाहे वे दक्षिण भारत के लोग हों या पूर्वोत्तर के, हिन्दी सभी को एकसूत्र में बाँधे हुए है। हमने राजभाषा हिन्दी के जरिये अपनी समृद्ध बौद्धिक परम्परा के साथ आधुनिक ज्ञान को मिलाकर सफलता के नये आयाम स्थापित किए हैं। जहाँ तक सरकारी कामकाज में इसके प्रयोग का सम्बन्ध है, हमें अपने अंतःमन में ऐसा निश्चय करना होगा और अपना कर्त्तव्य मानना होगा कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करने के लिए किसी संकल्प की आवश्यकता ना पड़े। हमें यह भी प्रयास करने चाहिए कि रोजमर्रा का छोटा-मोटा सरकारी कामकाज मूलतः हिन्दी में हो और अनुवाद कराने की आवश्यकता कम पड़े, इसके लिए हमें राजभाषा हिन्दी के प्रयोग के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाना होगा।' विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय है।

प्रो. नीलिमा गुप्ता
माननीया कुलपति

प्रमुख कार्य एवं उत्तरदायित्व

राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन

संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष जारी वार्षिक कार्यक्रम का विश्वविद्यालय में अनुपालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा

विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक माननीया कुलपति महोदया की अध्यक्षता में नियमित रूप से आयोजित कर विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा करना एवं राजभाषा की प्रगामी प्रगति हेतु समुचित निर्णय लेना तथा कार्यवृत्त तैयार कर विश्वविद्यालय में परिचालन तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, नराकास, सागर एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित करना।

हिन्दी कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के समस्त कार्मिकों को कार्यालयीन कामकाज हिन्दी में करने में सहज एवं निपुण बनाने तथा राजभाषा नियमों/प्रावधानों से अवगत कराने हेतु वर्षभर नियमित रूप से हिंदी कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु नराकास, सागर की बैठकों में नियमित रूप से प्रतिभागिता सुनिश्चित करना तथा विश्वविद्यालय से संबंधित निर्णयों पर यथोचित कार्रवाई करना।

राजभाषा प्रगति प्रतिवेदन

विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग का तिमाही प्रगति प्रतिवेदन समेकित कर यथानिर्देश राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर को नियमित रूप से प्रेषित करना।

गृह राजभाषा पत्रिका 'भाषा भारती' का प्रकाशन

विश्वविद्यालय के कार्मिकों की रचनात्मकता को समुचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राजभाषा उन्नयन की गृह राजभाषा पत्रिका 'भाषा भारती' (ISSN 2321-5704) का प्रतिवर्ष नियमित रूप से प्रकाशन करना।

राजभाषा निरीक्षण - आंतरिक

विश्वविद्यालय में राजभाषा के सफल कार्यान्वयन एवं तत्संबंधी विचार-विमर्श हेतु विभिन्न विभागों/केन्द्रों/अनुभागों/कार्यालयों आदि का राजभाषा संबंधी निरीक्षण करना एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करना।

अनुवाद कार्य

राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विश्वविद्यालय के कार्यालयीन दस्तावेजों का यथावश्यक हिन्दी/अंग्रेजी अनुवाद एवं लिप्यांतरण करना।

हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस 14 सितम्बर एवं हिन्दी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा कार्मिकों के प्रोत्साहन हेतु नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करना।

राजभाषा का प्रचार-प्रसार एवं प्रोत्साहन योजनाएं

विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कामकाज में हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'राजभाषा पदक एवं पुरस्कार योजना' लागू है। उक्त योजना के अंतर्गत कार्मिकों को राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान हेतु प्रतिवर्ष राजभाषा पदक एवं नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- **विश्वविद्यालय राजभाषा नियम 1976 के नियम 10(4) के तहत अधिसूचित**

विश्वविद्यालय के 80 प्रतिशत से अधिक कार्मिकों को हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय को राजभाषा नियम 1976 के नियम 10 (4) के तहत भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है।

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

WEEKLY

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

[भाग II—खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : जुलाई 21, 2012/आषाढ़ 30, 1934 5911

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(Department of Higher Education)
(O.L. UNIT)
New Delhi, the 10th July, 2012

S.O. 2361.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union), Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following Universities/ Institutes under the Ministry of Human Resource Development, (Deptt. of Higher Education) as offices, whose more than 80% members of the staff have acquired working Knowledge of Hindi :

1. Doctor Harisingh Gour, Vishwavidyalaya Sagar
2. Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
3. Visvesvaraya National Institute of Technology, Nagpur

[No. 11011-1/2011-O.L.U.]
ANANT KUMAR SINGH, Jt. Secy.

- **नराकास, सागर द्वारा सम्मान**

विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान तथा नवाचार हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर द्वारा विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ को वर्ष 2015 में सम्मानित किया गया है।

- **ई-कंटेंट का निर्माण**

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा शैक्षिक बहुमाध्यम अनुसंधान केन्द्र (ईएमएमआरसी), सागर के सहयोग से निर्मित राजभाषा संबंधी अधिनियमों, नियमों एवं कार्यान्वयन पर केन्द्रित वार्ता कार्यक्रम **'राजभाषा का सफरनामा'** शैक्षिक संचार संकाय (CEC) की वेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्ध है।

- **अन्य भाषा-भाषी विद्यार्थियों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं शिक्षकों के लिए हिन्दी अध्ययन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम**

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के अन्य भाषा-भाषी विद्यार्थियों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं शिक्षकों के लिए 06 माह का हिन्दी अध्ययन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम **'व्यावहारिक हिन्दी'** शीघ्र ही प्रारंभ किया जा रहा है।

- **भारतीय भाषा प्रकोष्ठ का गठन**

माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में बहुभाषी संस्कृति के विकास एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 की भावना के अनुरूप मातृभाषाओं में पाठ्यसामग्री निर्माण के लिए एक स्वतंत्र इकाई के रूप में 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' का गठन किया गया। प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित/अनुवादित 12 पुस्तकों का विमोचन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से नई दिल्ली में आयोजित **'अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2023'** कार्यक्रम में किया गया। यह प्रकोष्ठ पाठ्यसामग्री निर्माण में निरंतर प्रयासरत है।

- **हिन्दी क्लब का गठन**

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों हेतु भाषा चर्चा, संवाद एवं सांस्कृतिक आयोजनों हेतु हिन्दी विभाग एवं सांस्कृतिक परिषद के समेकित प्रयासों से हिन्दी क्लब समस्त सदस्यों को अपनी भाषायी अभिव्यक्ति के सुंदर अवसर उपलब्ध कराता है।

- **विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्ष नामित**

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में स्थित केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। उक्त क्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों आदि में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति** (नराकास), सागर की अध्यक्षता का दायित्व नगर के केन्द्रीय कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों के वरिष्ठतम अधिकारी होने के नाते डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सौंपा गया है। माननीया कुलपति महोदया ने नराकास, सागर के कार्यकलापों के सुचारू संचालन हेतु प्रभारी राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया है।

- **विश्वविद्यालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण**

विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (28 मार्च 2025) तथा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार (8 अप्रैल 2025) द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस दौरान यूजीसी से डॉ. मृगांक शेखर सर्मा, उप सचिव, डॉ. अमित कुमार वर्मा, शिक्षा अधिकारी एवं राजभाषा विभाग के उपनिदेशक श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा आदि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों/ अनुभागों/ कार्यालयों का भ्रमण कर राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति विश्वविद्यालय की सजगता एवं राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

- **राजभाषा प्रदर्शनी**

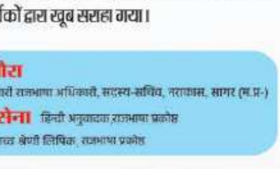

विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 28 मार्च 2025 को कुलसचिव कार्यालय परिसर में **'राजभाषा प्रदर्शनी'** का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ माननीय प्रभारी कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर एवं यूजीसी, नई दिल्ली से पधारे सम्माननीय अतिथिद्वय डॉ. मृगांक शेखर सर्मा एवं डॉ. अमित कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस भव्य राजभाषा प्रदर्शनी में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित दस्तावेज, राजभाषा के प्रगामी प्रयोग से जुड़े प्रतिवेदन, राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर आयोजित गतिविधियों के साक्ष्य, कार्यशालाओं एवं हिन्दी पखवाड़ा प्रतिवेदन, जनसंपर्क कार्यालय द्वारा तैयार की गई विभिन्न गतिविधियों के प्रतिवदेन, विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा, स्मारिकाएं तथा विभिन्न विभागों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ आदि को स्थान दिया गया है। उक्त प्रदर्शनी में डिजिटल माध्यम से विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की गयी जिसे दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

परिकल्पना एवं संपादन **संतोष सोहगौरा**
संयुक्त कुलसचिव व प्रभारी राजभाषा अधिकारी, सदस्य-सचिव, नराकास, सागर (म.प्र.)
विशेष सहयोग **अभिषेक सक्सेना** हिन्दी अनुवादक, राजभाषा प्रकोष्ठ
विनोद रजक उच्च श्रेणी लिपिक, राजभाषा प्रकोष्ठ

समाचार–पत्रों की कतरनें

शिक्षा मंत्रालय के पदाधिकारियों ने की विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा

बहुभाषिक संस्कृति का विकास के प्रति विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध हैः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि भारत के संविधान की अष्टम अनुसूची में दर्ज समस्त भारतीय भाषाओं का विकास करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हों तथा हिन्दी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हों, हम सब को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने चाहिए। यह बात शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। ज्ञयातव्य है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक मंत्रालय द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। इस क्रम में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्च स्तरीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), सुश्री पूनम विमल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी एवं सुश्री सोनाली, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने सर्वप्रथम विश्व विद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की तदुपरांत प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों/अनुभागों में राजभाषा कार्यान्व यन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्थापना एवं अवकाश शाखा, शारीरिक शिक्षा विभाग, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिए। समिति द्वारा विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होने तथा विश्वविद्यालय की अमूल्य विरासत को समझने के लिए विश्वविद्यालय के वैली परिसर स्थित गौर संग्रहालय का भी भ्रमण किया।

समिति के समक्ष विश्वविद्यालय में राज भाषा कार्यान्वयन की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयत्न शील है। इस दिशा में राजभाषा कार्यान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा तथा विचार विमर्श हेतु सुदृढ़ निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है। कार्मिकों को हिन्दी में कामकाज करने को प्रेरित करने के लिए प्रशिक्षण, प्रेरणा तथा प्रोत्साहन भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की कुलपति को सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन की समीक्षा एवं निगरानी हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बैठक में समिति के सभी सदस्यों तथा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति महोदया के अभिनंदन का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के राज भाषा प्रकोष्ठ की प्रशंसा करते हुए अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि हिन्दी के विकास के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति ही नहीं बल्कि अपने सामर्थ्य से बढ़कर प्रयास किये जाने चाहिए। कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ में वह सामर्थ्य मौजूद है जो राजभाषा प्रगति के लिए विश्वविद्यालय को देश में शीर्षस्थ संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित करा सकता है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट द्विभाषी रूप में होने तथा राजभाषा को महत्वपूर्ण स्थान दिये जाने से यह इंगित होता है कि विश्वविद्यालय हिन्दी के प्रति कितना समर्पित एवं संवेदनशील है इस हेतु समूचा सूचना प्रौद्योगिकी एवं राजभाषा प्रकोष्ठ प्रशंसा का पात्र है।

बैठक में अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथियों एवं गणमान्य सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने बताया कि विश्व विद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के समन्वित प्रयासों से राजभाषा का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। ज्ञयातव्य है कि उक्त अवसर पर कुलपति एवं सम्माननीय अतिथियों द्वारा 'राजभाषा प्रदर्शनी' का भी शुभारंभ किया गया। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा लगायी गयी इस भव्य राजभाषा प्रदर्शनी में दस्तावेजों, प्रतिवेदनों एवं डिजिटल माध्यम से राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की गयी जिसे दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया। विदित है कि अभी कुछ दिनों पूर्व विश्वविद्यालय में राजभाषा के क्रियान्वयन को लेकर गृह मंत्रालय तथा यू.जी.सी. नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन शालाओं के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर | सागर

विवि में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की समीक्षा की, प्रदर्शनी शुरू

भास्कर संवाददाता | सागर

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्च स्तरीय समिति ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण समिति में उप निदेशक अजय कुमार झा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी पूनम विमल और कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी सोनाली शामिल रहीं। समिति ने विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारियों और कर्मचारियों से बैठक कर कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद प्रशासनिक भवनों, स्थापना शाखा, शारीरिक शिक्षा विभाग, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ और जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का निरीक्षण किया। गौर संग्रहालय का भ्रमण कर विश्वविद्यालय की विरासत को भी जाना। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय न केवल हिंदी बल्कि संविधान की अष्टम अनुसूची में दर्ज सभी भारतीय भाषाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

राजभाषा कार्यों की प्रगति का ब्यौरा देते हुए संयुक्त कुलसचिव और प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय लगातार निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है। हिंदी में कार्य करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण, प्रेरणा और प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हाल ही में कुलपति को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

अजय कुमार झा ने विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रकोष्ठ अपने सामर्थ्य से बढ़कर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट द्विभाषी है और हिंदी को प्रमुखता दी गई है, जो इसकी संवेदनशीलता और समर्पण को दर्शाता है।

बैठक में कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के समन्वित प्रयासों से राजभाषा का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। इस अवसर पर कुलपति और अतिथियों ने राजभाषा प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में दस्तावेजों, प्रतिवेदनों और डिजिटल माध्यम से राजभाषा के प्रयोग की प्रगति दिखाई गई। दर्शकों ने प्रदर्शनी की सराहना की। कुछ दिन पूर्व गृह मंत्रालय और यूजीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यों का निरीक्षण किया था। बैठक में विभिन्न अध्ययन शालाओं के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी और राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालन हिंदी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

बहुभाषिक संस्कृति का विकास के प्रति विश्वविद्यालय प्रतिबद्धः प्रो. गुप्ता

सागर, देशबन्धु। केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि भारत के संविधान की अष्टम् अनुसूची में दर्ज समस्त भारतीय भाषाओं का विकास करना विवि की प्राथमिकता है। भारत की सभी भाषायें समृद्ध हों तथा हिन्दी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हों, हम सब को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने चाहिये। यह बात शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित विवि राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक मंत्रालय द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। केन्द्रीय विवि के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी हेतु उच्च स्तरीय समिति द्वारा विवि का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अजय कुमार झा, उप निदेशक राजभाषा पूनम विमल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी एवं सोनाली कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने सर्वप्रथम विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की तदुपरांत प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों, अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति के समक्ष विवि में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुये संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि विवि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। इस दिशा में राजभाषा कार्यान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा तथा विचार विमर्श हेतु सुदृढ़ निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है। कार्मिकों को हिन्दी में कामकाज करने को प्रेरित करने के लिये प्रशिक्षण, प्रेरणा तथा प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विवि की कुलपति को सागर नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन की समीक्षा एवं निगरानी हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बैठक में समिति के सभी सदस्यों तथा विवि परिवार की ओर से कुलपति के अभिनंदन का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक के दौरान विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ की प्रशंसा करते हुये अजय कुमार झा, उप निदेशक राजभाषा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि हिन्दी के विकास के लिये सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति ही नहीं बल्कि अपने सामर्थ्य से बढ़कर प्रयास किये जाने चाहिये। आभार व्यक्त करते हुये प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने बताया कि विवि के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के समन्वित प्रयासों से राजभाषा का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलपति एवं अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा लगायी गयी इस भव्य राजभाषा प्रदर्शनी में दस्तावेजों, प्रतिवेदनों एवं डिजिटल माध्यम से राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की गयी जिसे दर्शकों द्वारा सराहा गया।

भारतीय भाषाओं का विकास करना ही प्राथमिकता है : प्रो. गुप्ता

शिक्षा मंत्रालय के पदाधिकारियों ने की विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि भारत के संविधान की अष्टम् अनुसूची में दर्ज समस्त भारतीय भाषाओं का विकास करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हों व हिन्दी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हों, हम सब को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने चाहिए। यह बात कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बुधवार को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

दरअसल भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक मंत्रालय द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्च स्तरीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया।

विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हुई।• नवदुनिया

निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), पूनम विमल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी एवं सोनाली, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी उपस्थित रहे।

विभागों का निरीक्षण कर दिए सुझाव : समिति ने विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की। इसके बाद प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों/ अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्थापना एवं अवकाश शाखा, शारीरिक शिक्षा विभाग, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

समिति द्वारा विश्वविद्यालय के संस्थापक डा. सर हरीसिंह गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होने व विश्वविद्यालय की अमूल्य विरासत को समझने के लिए विश्वविद्यालय के वैली परिसर स्थित गौर संग्रहालय का भी भ्रमण किया।

लक्ष्य पाने सामर्थ्य से बढ़कर प्रयास किए जाने चाहिए : संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ की प्रशंसा करते हुए अजय कुमार झा, उप निदेशक राजभाषा ने कहा कि हिन्दी के विकास के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति ही नहीं बल्कि अपने सामर्थ्य से बढ़कर प्रयास किए जाने चाहिए। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट द्विभाषी रूप में होने व राजभाषा को महत्वपूर्ण स्थान देने से यह इंगित होता है कि विश्वविद्यालय हिन्दी के प्रति कितना संवेदनशील है। बैठक में आभार प्रभारी कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना। अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया गया। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा लगाई इस भव्य राजभाषा प्रदर्शनी में दस्तावेजों, प्रतिवेदनों एवं डिजिटल माध्यम से राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की।

शिक्षा मंत्रालय के पदाधिकारियों ने की विवि में राजभाषा कार्यान्ववयन की समीक्षा

बहुभाषिक संस्कृति का विकास के प्रति विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है : प्रो. नीलिमा गुप्ता

जनचिंगारी-9302303212

सागर। केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि भारत के संविधान की अष्टम् अनुसूची में दर्ज समस्त भारतीय भाषाओं का विकास करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हों तथा हिन्दी राष्टभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हों, हम सब को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने चाहिए।

यह बात शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। ध्यातव्य है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक मंत्रालय द्वारा अपने अधीनस्थ? कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। इस क्रम में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की

निगरानी हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की उच्च स्तरीय समिति द्वारा विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), सुश्री पूनम विमल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी एवं सुश्री सोनाली, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी उपस्थित रहे।

समिति ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की तदुपरांत प्रशासनिक एवं नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों/अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। समिति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्थापना एवं अवकाश शाखा, शारीरिक शिक्षा विभाग, भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिए। समिति द्वारा विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व् से परिचित होने तथा विश्वविद्यालय की अमूल्य विरासत को समझने के लिए विश्वविद्यालय के वैली परिसर स्थित गौर संग्रहालय का भी भ्रमण किया।

समिति के समक्ष विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयत्नशील है।

शिक्षा मंत्रालय के पदाधिकारियों ने की विवि में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा

बहुभाषिक संस्कृति के विकास के लिए विवि प्रतिबद्ध है, लगातार होंगे प्रयास : प्रो. नीलिमा

सागर @पत्रिका. केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कामकाज में हिन्दी की प्रगति की निगरानी के लिए शिक्षा मंत्रालय केंद्र सरकार की उच्च स्तरीय समिति ने डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में शिक्षा मंत्रालय राजभाषा उप निदेशक अजय कुमार झा, पूनम विमल व वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी सोनाली उपस्थित रहे। समिति ने विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर राजभाषा कार्य की समीक्षा की। प्रशासनिक व नवीन प्रशासनिक भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। पदाधिकारियों ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से कहा कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते न केवल राजभाषा हिन्दी बल्कि भारत के संविधान की अष्टम अनुसूची में दर्ज सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हों तथा हिन्दी राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हों, हम सब को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने चाहिए। समिति के सदस्यों ने विश्वविद्यालय की अमूल्य विरासत को समझने के लिए विश्वविद्यालय के वैली परिसर स्थित गौर संग्रहालय का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर कुलपति ने राजभाषा प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया गया। राजभाषा प्रदर्शनी में दस्तावेजों, प्रतिवेदनों एवं डिजिटल माध्यम से राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की प्रगति प्रदर्शित की गई। बैठक का संचालन अभिषेक सक्सेना ने किया।

शुभकामना संदेश

श्री अजय कुमार झा
उपनिदेशक (राभा), शिक्षा मंत्रालय

(6)

अधोहस्ताक्षरी द्वारा डॉ० . . . . . गौर विश्वविद्यालय का आज दिनांक 20/05/2025 को राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्रालय के मेरे दो सहकर्मी श्रीमती पुनम एवं सुश्री सोनाली सहयोग के लिए उपस्थित रहे।

निरीक्षण के क्रम में, सर्वप्रथम विश्वविद्यालय परिसर का परिभ्रमण करते हुए यहां राजभाषा की वास्तविक स्थिति का आकलन किया गया है। यहां संघ की राजभाषा नीति का सफल तरीके से कार्यान्वयन हो रहा है। इसका श्रेय राजभाषा प्रभारी श्री सोहगौरा एवं श्री अभिषेक, कनिष्ठ अनुवादक को देना बिल्कुल सही होगा। माननीय कुलपति महोदया की इस कार्य में विशेष अभिरुचि देखी गई। उनके नेतृत्व में, आने वाले वर्षों में इस विश्वविद्यालय के प्रयास अन्य केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के लिए अनुकरणीय होगा। मैं अपने सहकर्मियों के साथ राजभाषा की वास्तविक प्रगति के दृष्टिगत विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं। मेरी शुभकामनाएं उन सभी कार्मिकों के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य करे।

पुनम बिमल
सोनाली
20/05/25

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
(राजभाषा प्रभाग)

*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 04.04.2025

<u>कार्यालय-ज्ञापन</u>

विषय : शिक्षा मंत्रालय के अधीनस्थ/संबद्ध/विश्वविद्यालयों/स्वायत्त निकायों/शैक्षिक संस्थानों/ परिषदों/बोर्डों/क्षेत्रीय कार्यालयों आदि का राजभाषा संबंधी निरीक्षण - 2025-26.

माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा समय-समय पर दिए गए निदेशों और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालन में, शिक्षा मंत्रालय के न्यूनतम 25% अधीनस्थ/संबद्ध/विश्वविद्यालयों/स्वायत्त निकायों/शैक्षिक संस्थानों/परिषदों/बोर्डों/ क्षेत्रीय कार्यालयों आदि का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया जाना अनिवार्य है ताकि सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग की निगरानी की जा सके।

2. इस संबंध में, अनुलग्नक - 1 में उल्लिखित विश्वविद्यालय/संस्थानों/क्षेत्रीय कार्यालयों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किए जाने का निर्णय लिया गया है जिसके लिए संबंधित विश्वविद्यालयों/संस्थानों/क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा भरा जाने वाला निरीक्षण प्रपत्र भी इस कार्यालय ज्ञापन के साथ अनुलग्नक-2 के रूप में संलग्न है। **(उल्लेखनीय है कि अनुलग्नक - 1 पर दर्शायी गई तिथि एवं समय परिवर्तनीय है)**

3. अतः विश्वविद्यालय/संस्थानों/क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रमुख से अनुरोध है कि वे विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/क्षेत्रीय कार्यालयों के संबंधित अधिकारियों को निदेश दें कि वे निरीक्षण करने वाले अधिकारियों से संपर्क बनाए रखें और निरीक्षण दल के लिए आवास, परिवहन आदि की समुचित व्यवस्था करें। उन्हें निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अपना पूरा सहयोग दें। इस कार्यालय ज्ञापन के साथ अनुलग्नक के रूप में संलग्न निरीक्षण प्रश्नावली को अग्रिम रूप से दो प्रतियों में भरकर तैयार रखें और निरीक्षण के समय निरीक्षण दल को प्रस्तुत करें।

04/04/25
(जगदीश राम पौरी)
निदेशक(राजभाषा)

सेवा में,

1. निदेशक, आईआईएसईआर, तिरुवनंतपुरम, केरल
2. क्षेत्रीय निदेशक, सीबीएसई आरओ कार्यालय, सीटीटीसी, एडमिन ब्लॉक, बीएसएनएल आरटीटीसी परिसर, कैमनम, तिरुवनंतपुरम - 695040, केरल

3. क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, क्षेत्रीय निदेशक, आरसी मदुरै, सिकंदर सावदी, कूडल नगर, मदुरै, तमिलनाडु 625018
4. निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरतकल, कर्नाटक
5. निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु
6. क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, 293, 39वां क्रॉस, 8वां ब्लॉक, जयनगर, बेंगलुरु
7. कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
8. निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - भिलाई, (छत्तीसगढ़)
9. निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़
10. कुलपति, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश
11. निदेशक, पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा - भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान (आईआईआईटीडी एंड एम) जबलपुर, मध्य प्रदेश
12. क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, दूसरी मंजिल, राजशेखर भवन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, परिसर, पचपेढ़ी, जबलपुर - 482 001, मध्य प्रदेश
13. निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र
14. निदेशक, विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र
15. क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र ज्ञान वाटिका 14 हिंदुस्तान कोलोनी, अमरावती रोड, नागपुर, महाराष्ट्र
16. कुलपति, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड
17. निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई आई टी) रांची, झारखंड
18. क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू, रांची, झारखंड

प्रतिलिपि :-

1. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली।
2. कुलपति, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
3. अध्यक्ष, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली।
4. संयुक्त सचिव(राजभाषा एवं प्रशासन) की प्रधान निजी सचिव।
5. गार्ड फाइल ।

04/04/25

(जगदीश राम पौरी)
निदेशक(राजभाषा)

अनुलग्नक-1

शिक्षा संत्रालय के अधीनस्थ/संबद्ध/विश्वविद्यालयों/स्वायत्त निकायों/शैक्षिक संस्थानों/परिषदों/बोर्डों/क्षेत्रीय कार्यालयों आदि का राजभाषा संबंधी निरीक्षण – 2025-26

क्र. सं.	संस्थान का नाम	निरीक्षण की तिथि	निरीक्षण दल
1.	आईआईएसईआर, तिरुवनंतपुरम, केरल	21 अप्रैल, 2025	1. श्री जगदीश राम पौरी, निदेशक (मो. 9643840065) 2. श्री शैलेन्द्र कुमार, स.अ.अधिकारी (मो. 7982579988) 3. श्री संजय मीना, कनि.अनु.अधिकारी
	सीबीएसई आरओ कार्यालय, सीटीटीसी, एडमिन ब्लॉक, बीएसएनएल आरटीटीसी परिसर, केशवदासपुरम, तिरुवनंतपुरम - 695040, केरल	23 अप्रैल, 2025	
	इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, क्षेत्रीय निदेशक, आरसी मदुरै, सिकंदर सावदी, कूडल नगर, मदुरै, तमिलनाडु	25 अप्रैल, 2025	
2.	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरतकल, कर्नाटक	22 अप्रैल, 2025	1. श्रीमती संतोष कुमारी, सहायक निदेशक (मो.9810538267) 2. श्रीमती आर. सुजाता, प्रधान निजी सचिव 3. श्रीमती अर्पना, अनुभाग अधिकारी
	भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर	24 अप्रैल, 2025	
	क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र 293, 39वां क्रॉस, 8वां ब्लॉक, जयनगर, बैंगलुरु	25 अप्रैल, 2025	
3.	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	13 मई, 2025	1. सुश्री रेखा, सहायक निदेशक (मो.9599225812, 9868863874) 2. सुश्री नेहा पारिक, कनि.अनु.अधिकारी 3. सुश्री नीतू कुमारी, कनि.अनु.अधिकारी
	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - भिलाई, (छत्तीसगढ़)	15 मई, 2025	
	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़	16 मई, 2025	
4.	डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश	20 मई, 2025	1. श्री अजय कुमार झा, उप-निदेशक (मो.9868268751) 2. सुश्री पूनम बिष्ट, वरि.अनु.अधिकारी 3. सुश्री सोनाली, कनि.अनु.अधिकारी
	पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा - भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान (आईआईआईटीडी एंड एम) जबलपुर, मध्य प्रदेश	22 मई, 2025	
	क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, दूसरी मंजिल, राजशेखर भवन, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, परिसर, पचपेढ़ी, जबलपुर, मध्य प्रदेश	23 मई, 2025	
5.	भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र	27 मई, 2025	1. श्री अनूप कुमार, सहायक निदेशक (मो.9728520606, 8708655855) 2. श्री मुकेश कुमार नाते, वरि.अनु.अधिकारी 3. श्री योगेन्द्र कुमार, कनि.अनु.अधिकारी
	विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र	28 मई, 2025	
	क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र ज्ञान वाटिका 34 हिंदुस्तान कॉलोनी, अमरावती रोड, नागपुर, महाराष्ट्र	30 मई, 2025	
6.	झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड	02 जून, 2025	1. श्री देवेन्द्र कुमार, सहायक निदेशक (मो. 9560912576) 2. श्री किशोर कुमार, वरि.अनु.अधिकारी 3. श्री स्मित शर्मा, कनि.अनु.अधिकारी
	भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई आई टी) रांची, झारखंड	03 जून, 2025	
	क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू, रांची, झारखंड	05 जून, 2025	

(जगदीश राम पौरी)
निदेशक(राजभाषा)

"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल"

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र